अध्यक्ष :
राजरत्न पुरस्कार समिती
संस्थापक अध्यक्ष :
महाराजा ऑफ नागपूर ट्रस्ट
कार्याध्यक्ष :
श्रीमंत राजे रघुजी महाराज भोंसले (प्रथम)
बहुउद्देशिय स्मृती प्रतिष्ठाण

श्रीमंत डॉ. राजे मुधोजी अ. भोंसले

महाराजा ऑफ नागपूर

जावक क्र. दिनांक........................

प्रति, दि. 24/02/2026

श्री. मा. ना. नरेंद्रजी मोदी साहब

मा प्रधानमंत्री महोदय, भारत सरकार.

विषय - NCERT पाठ्यपुस्तक से मराठा साम्राज्य का मानचित्र हटाने के निर्णय पर हस्तक्षेप हेतु - संपूर्ण हिंदुस्तान की ऐतिहासिक अस्मिता का प्रश्न।

आदरणीय प्रधानमंत्री महोदय,

नमस्कार,

मैं इस पत्र के माध्यम से एक ऐसे विषय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, जो केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण हिंदुस्तान के गौरवशाली इतिहास और राष्ट्रीय अस्मिता का विषय है।

हमें ज्ञात हुआ है कि कक्षा आठवीं की 'एनसीईआरटी' (NCERT) पाठ्यपुस्तक से मराठा साम्राज्य का वह मानचित्र हटाने का निर्णय लिया गया है, जिसमें राजस्थान को मराठा साम्राज्य के अधीन दिखाया गया था। यह अत्यंत चिंताजनक है कि कथित तौर पर यह निर्णय कुछ स्थानीय विरोध के कारण लिया जा रहा है।

इस विषय में मैं निम्नलिखित बिंदुओं को आपके समक्ष रखना चाहता हूँ:

सिनीयर भोंसला पॅलेस, महाल, नागपूर-३२.
09595722888 maharajaofnagpur@gmail.com Shrimant Raje Mudhoji Bhonsle
09823052724 Shrimant Raje Mudhoji Bhonsle Maharaja Of Nagpur

1) राष्ट्रीय इतिहास, प्रादेशिक नहीं: मराठा साम्राज्य का इतिहास केवल एक प्रदेश का इतिहास नहीं है। यह उस 'हिंदवी स्वराज्य' का इतिहास है, जिसने मुगल सत्ता को उखाड़ फेंककर पूरे हिंदुस्तान को एक सूत्र में पिरोया था। इसे प्रादेशिक चश्मे से देखना इतिहास के साथ अन्याय होगा।

2) ऐतिहासिक अधीनता: ऐतिहासिक प्रमाण साक्षी हैं कि 18वीं शताब्दी में राजस्थान की रियासतें मात्र मराठों के प्रभाव में नहीं थीं, बल्कि उन्होंने मराठा साम्राज्य की 'अधीनता' (Subjugation) स्वीकार की थी। राजस्थान के शासक मराठों को नियमित कर (चौथ और सरदेशमुखी) देकर उनके अधिपत्य को स्वीकार करते थे।

3) दबाव में इतिहास का हनन: यदि किसी विशेष राजघराने या समूह के विरोध के कारण प्रामाणिक इतिहास बदला जाता है, तो यह आने वाली पीढ़ी के साथ विश्वासघात होगा। आने वाली पीढ़ी को हम क्या जवाब देंगे, यदि उन्हें यह नहीं पता होगा कि उनके पूर्वजों ने पूरे हिंदुस्तान की रक्षा के लिए अपना खुन बहाया था!

4) हिंदुस्तान की अखंडता: मराठा शक्तियों ने कटक से लेकर अटक तक और राजस्थान से लेकर दक्षिण तक जिस साम्राज्य का विस्तार किया, वह भारत की सैन्य शक्ति का प्रतीक है। इसे मानचित्र से हटाना भारत की ऐतिहासिक अखंडता को खंडित करने जैसा है। अतः मेरी आपसे प्रार्थना है कि:
NCERT को निर्देशित किया जाए कि वह किसी भी दबाव में आए बिना, राजस्थान सहित संपूर्ण मराठा अधीन क्षेत्र दर्शाने वाले मानचित्र को 'ज्यों का त्यों' (As it is) पाठ्यपुस्तक में बनाए रखे।
सत्य इतिहास को सुरक्षित रखा जाए, ताकि आने वाली पीढ़ियां हिंदुस्तान के वास्तविक पराक्रम से प्रेरणा ले सकें।
हमें पूर्ण विश्वास है कि राष्ट्र के गौरव को सर्वोपरि रखने वाले आपके नेतृत्व में इतिहास के साथ यह अन्याय नहीं होगा।

आपका

राजे मुधोजी भोंसले